झोपड़पट्टी पुनर्वसन क्षेत्र में नाइकनवरे डेवलपर्स का पदार्पण

192 फ्लैट्स का आज झोपड़पट्टीधारकों के बीच होगा हस्तांतरण : दांडेकर पुल के पास कार्यक्रम का आयोजन

पुणे, 31 मई (आ.प्र.)

पुणे का नाइकनवरे डेवलपर्स अब स्लम रीहैबिलिटेशन यानी झोपड़पट्टी पुनर्वसन क्षेत्र में तेजी से अपना पांव जमा रहा है. नाइकनवरे द्वारा दांडेकर पुल परिसर में परिवर्तन प्रोजेक्ट का काम किया गया है. इस प्रोजेक्ट के तहत बने 192 फ्लैट्स और 7 दुकानों को शनिवार 1 जून को झोपड़ीधारकों के बीच हस्तांतरित किया जाएगा. नगर विकास प्रधान सचिव नितिन करीर के हाथों इसका शुभारंभ होगा. नाइकनवरे डेवलपर्स के डायरेक्टर हेमंत नाइकनवरे और रणजीत नाइकनवरे ने पत्रकार-वार्ता कर यह जानकारी दी. दांडेकर पुल परिसर की 7.41 एकड़ क्षेत्र में फिलहाल दो झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्रोजेक्ट का काम चल रहा है. यहां पर 'परिवर्तन' और एक अन्य प्रोजेक्ट तैयार किए जा रहे हैं. इन दो प्रोजेक्ट्स में कुल 6 बिल्डिंग्स बनाई जा रही हैं और सिटी में 4 प्रोजेक्ट्स का काम भी चल रहा है. पुणे के अलावा मुंबई के विक्रोली में 48,370 स्कवेयर मीटर के डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का काम चल रहा है.

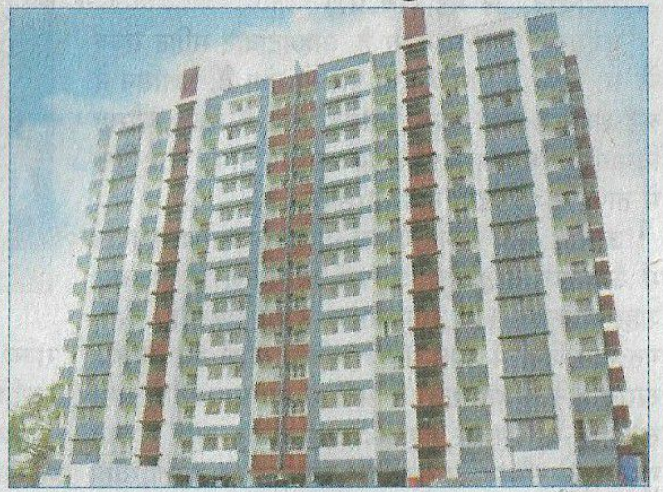

नाइकनवरे डेवलपर्स द्वारा दांडेकर पुल परिसर में तैयार किए गए 'परिवर्तन' प्रोजेक्ट के फ्लैट झोपड़पट्टीधारकों को शनिवार को हस्तांतरित किए जाएंगे. इस संबंध में पत्रकार-वार्ता में जानकारी देते रणजीत और हेमंत नाइकनवरे.

पुणे के 'परिवर्तन' प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए हेमंत नाइकनवरे ने कहा कि इस बिल्डिंग को पूरी तरह से बिजनेस सर्टिफिकेट प्राप्त हो चुका है. यहां सदस्यों को मिलाकर सोसायटी तैयार की गई है. सदस्यों की साधारण सभा से व्यवस्थापन समिति गठित की गई. हर सदस्य के साथ अलग से करार करके फ्लैट बांटे गए हैं. फ्लैट ट्रांसफर कार्यक्रम में सोसायटी के साथ कन्वेयन्स डीड की जाएगी. इन सभी बातों को पूरा करने के बाद ट्रांसफर होने वाली इस तरह की झोपड़पट्टी पुनर्वसन श्रेणी में संभवतः देश का पहला प्रोजेक्ट होगा. रणजीत नाइकनवरे ने कहा कि पिछले 20 वर्षों से हम सस्ते घर बनाने के क्षेत्र में काम कर रहे हैं. हमने बिल्डिंग बनाने के लिए खास अल्युफॉर्म टेक्नोलॉजी विकसित की है. झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्रोजेक्ट के डेवलपमेंट में हम ऊर्जा बचत, गंदे पानी की प्रक्रिया, सार्वजनिक इस्तेमाल के लिए बिल्डिंग और हर मंजिल पर विस्तृत जगह जैसी बातों पर विशेष ध्यान देते हैं.

■ पुणे के अलावा मुंबई में भी एसआरए प्रोजेक्ट की योजना

हेमंत नाइकनवरे ने कहा कि फिलहाल झोपड़पट्टी पुनर्वसन का मॉडल कॉम्पेन्सटरी एफएसआई तरह का है. लेकिन इस क्षेत्र की मौजूदा व्यवसायिक स्थिति को देखते हुए यह मानना होगा कि मौजूदा मॉडल खुद में पर्याप्त नहीं है. सरकार की तरफ से इस क्षेत्र में मदद की दृष्टि से हस्तक्षेप होना आवश्यक है. ऐसा नहीं होने पर झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्रोजेक्ट के काम में देरी होगी और शहर में अव्यवस्था बढ़ती जाएगी.